

ന്<mark>ट്രന്മന</mark> (SOLUTIONS)

टेंटराण लक्ष्ण

s. स्ट्रेंगि त्रेंन्निण प्रली ढेंटर गेत्रन्तिण प्रस्तूण प्रोच्छलएड५लीण लड्डा ॐसूर मार्डलिडएँ॥

सेस, प्रज्ञा प्रतः प्रज्ञा देख प्राप्ता प्रश्व आशा स्राप्ति, टेंस्। टेंस, ट॰ए॥ ओ, टेप्प्रार्शा स्रो, प्रेस्न। प्रथ्म, प्रूढा प्र॰, ग्रोप्पा टेख, स्री।

ज्यमं = ज्या + मंभ :ह्या

ጆሮ° + ጆጿ°ዡዀ = ጆሮ°ቖ°ዡዀ

टेख + फ्रा॰म = टेखाए॰म

त्र°ए + गार्ष = त्र°एष

सर्विटीम = सर्विटीम

ਟੱਜ + ਟਾਫ = ਟੱਜ਼ਿਆਫ

यो + टेप्पगार्ट = योभेप्पगार्ट

ह्यरीम = ह्यर्भिम

 $\mathbb{Z}_{\rho}\Pi - \mathbb{Z}_{G} = \mathbb{Z}_{\rho}\Pi \mathbb{Z}_{G}$

प्र° + ग्रों = प्र°रें ।

ਟੇਵ + ਸ਼ੀ = ਟੇਵਸ਼ੀ

हा संस्था स्थाप स्

प्रस्वमानी जेंग्रा, एप्रिकेश्व, जोप्रजेषा, वेसळ्ड, ष्टरी।

ਗੀੜ: ਸ਼ਖਰਸਜ਼ੀ = ਸ਼ਖ + ਰਸ + ਨ

ए। जिस्ती विकास स्वाप्ती विकास स्वा

ण्य + ज्ञांत = प्राव्यक्रिता

चैस्र = चैस + प्रत्रष्ट

व्यक्ष्य = व्यक्ष्य + प्र

 $E_{\chi} = E_{\chi} + \Sigma$

್ಯಾತ್ ಅಪ್ಪು ಸ್ಥಿ

- (प्रा) टेए+ग्रोप्स (ෆ) ਜ਼ੀ+ਟੇਘ (ट) ग्रोट्य+ऋए
- (ए) प्रभारेठ (冊) 万+邢 द्रष्ट्र+म (ग्रा)
- (४) प्र+टेप्टर (X) U+m³万
- \vec{m} ੜ: (\vec{m}) ਟੇ \vec{e} + \vec{m} ੜ = ਟੇ \vec{e} ਲੇੜ (\vec{o}) \vec{n} +ਟੇ \vec{u} = \vec{n} ਿੰਘ
 - णद = ग्रा+द (म) छद्रपर्णा = छद्र + पर्णा (५)
 - र्ह्माप्य=र्ह्मार्स्य (प्र) दर्बन्स = दर्बन्स (म्रा)
 - (X) $C+M_0$ $Z=CM_0$ $Z=CM_$

उन्हें अब्दा प्रेड्स गाइ

प्रभाष्ट्रिया ॥ मिल्रामा सिल्रामा ॥ क्राप्ट्रिया ॥ क्राप्ट्रिया ॥ क्राप्ट्रिया ॥

गोंद्धः रुण्यति = रुण्यति

मरीम = मरीम

स्रिण = स्रिन्ट्रेण

ॐणा+द = ॐ॰४द

नेत्रस्थात विक्रमें केत्र आराज्याच

गेर्रेन लख्व मार्केड्ड माँडाए॰?

हर्शिया जारार्त सहद्यक्ति प्राप्ति हर हें जर्श किन्ति हर हैं उर्ध स्थाप संस्था क्षा कि प्राप्त कि प्राप्त कि प्राप्त कर ति स्था कि प्राप्त कि प्राप्त कि प्राप्त कि प्राप्त कि प्राप्त णक्र गेम्रन लखर्ज प्रक्रिंग

मां एतर अध्या क्रेडिंग मार्गिए ?

गोद्भः **म्रों क्रिक्ट क्रिक्ट के क्रिक्ट के अध्याम मिर्केस में अध्याम मिर्केस मिर्केस में अध्याम मिर्केस में अध्याम मिर्केस में अध्याम मिर्केस मिरकेस मि** OF EDUCATION एरिस स्था प्रहत अहित्वर स्मृद्धा स्था स्था स्था

उल्लेख लख्या जेज्रहला सामाएं?

ज्य हयत्या यर्थम केंग्र हमस्या अहत्तर शाहरा अहत्य कार्य माज्य राधमा अहत्य हमस्या अहत्य हमस्या अहत्य ॥ दक्षा १८३० मा १८५० हुइ जो । तक्षा भाषा । तक्षा भाषा । तक्षा